Total Pages : 3 Roll. No. : .....

Examination Session June-2022

(Fourth Semester)

MAJY-608

M.A. Jyotish (MAJY)

[ज्योतिष प्रबोध - 02]

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 2×20=40

1. पृथ्वी की उत्पत्ति का वर्णन करते हुए उसके भौतिक स्वरूप का उल्लेख करें।

2. परिधि और व्यास का सम्बन्ध बतलाते हुए अन्तर स्पष्ट कीजिए।

3. शून्य से अंकोत्पत्ति कैसे हुई ? शून्य का महत्व बतलाइये।

4. अष्टक वर्ग क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

5. भास्कराचार्य के मतानुसार पृथ्वी के गोलत्व का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 4×10=40

1. भूगोल के सन्दर्भ में तैत्तिरीय ब्राह्मण का क्या मत है ?

2. केप्लर एवं न्यूटन के नियमों का प्रतिपादन कीजिए।

3. भू–आकर्षण सिद्धांत से आप क्या समझते हैं ?

4. प्राच्य–पाश्चात्य मतानुसार भू–भ्रमण में अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. ब्राह्मण ग्रन्थों में पृथ्वी के गोलत्व का प्रतिपादन कीजिए।

6. स्पष्ट भूपरिधि क्या है ?

7. बोधायन परिमेय का वर्णन कीजिए।

8. भिन्नाष्टक वर्ग का साधन कीजिए।

****